

شعاع علی

گریناٹ، ریت کا پتھر اور چونا پتھر
1.35 x 3.5 x 1.35 میٹر

شعاع علی (پیدائش 1974) ایک قطری فنکار ہے جو ثقافت کے تصورات اور موجودہ دور کے تجربات کے اظہار میں قدرتی مواد کے لیے بے ساختہ نقطہ نظر کے لیے پہچانا جاتا ہے۔

شہری اور صحرائی دونوں ماحول میں پائے جانے والے تعمیراتی ملبے اور محل وقوع کے نشانات (نیشن) سے متاثر ہو کر، مصور ماضی اور حال کے دوحہ کے درمیان تعلق کو دریافت کرتا ہے تاکہ بصیرت، متوازن، اجتماعی مجسمہ سازی کی شکلیں تخلیق کرنے کے لیے مواد کی علامتی اسٹیکنگ کا استعمال کیا جا سکے۔

گریناٹ، ریت کے پتھر اور چونے کے پتھر سمیت مختلف مواد سے بنایا گیا، توازن ایک ستون ہے جو قطر کی ترقی کی علامت ہے۔ مجسمہ میں عناصر کا انجینئرنگ تعامل 2017 میں قطر کے بلیکٹ کے بحران میں درپیش مشکلات اور استحکام کی ہم آہنگی کی تصویر کشی کرتا ہے۔

نہ صرف یہ آرٹ ورک قطر کی سالوں میں ہونے والی پیشرفت کا خلاصہ ہے بلکہ بڑے پیمانے پر مجسمہ قطر کے بدنام زمانہ انفراسٹرکچر اور ورثے میں پائے جانے والے روایتی اور جدید عناصر کے توازن کی نمائندگی کرتا ہے۔



शुआ अली

तवाज़ुन, 2022

मुशैरिब



शुआअ अली

ग्रेनाइट, बलुआ पत्थर और चूना पत्थर
1.35 x 1.35 x 3.5 मी

शुआ अली (जन्म 1974) एक कतरी कलाकार हैं जिन्हें संस्कृति और वर्तमान अनुभवों की अवधारणाओं को व्यक्त करने में प्राकृतिक सामग्रियों के प्रति उनके सहज दृष्टिकोण के लिए पहचाना जाता है।

शहरी और रेगिस्तानी दोनों परिवेशों में पाए जाने वाले निर्माण मलबे और स्थान चिह्नों (नेशान) से प्रेरित होकर, कलाकार दूरदर्शी, संतुलित, एकत्रित मूर्तिकला रूपों को बनाने के लिए सामग्रियों के प्रतीकात्मक ढेर का उपयोग करके अतीत और वर्तमान दोहा के बीच संबंधों का पता लगाता है।

ग्रेनाइट, बलुआ पत्थर और चूना पत्थर सहित विभिन्न सामग्रियों से निर्मित, तवाज़ुन एक स्तंभ है जो कतर की प्रगति का प्रतीक है। मूर्तिकला में तत्वों की ज्यामितीय बातचीत 2017 में कतर में बायकाट

के संकट में सामना की गई कठिनाई और स्थिरता के तालमेल को दर्शाती है।

न केवल यह कलाकृति पिछले कुछ वर्षों में कतर की प्रगति का एक अमूर्त प्रस्तुतीकरण है, बल्कि बड़े पैमाने की मूर्तिकला कतर के कुख्यात बुनियादी ढांचे और विरासत में पाए जाने वाले पारंपरिक और आधुनिक तत्वों के संतुलन का प्रतिनिधित्व करती है।